Date .... Page ....

पाठ - ५

संज्ञा

संज्ञा : किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव, आदि के नाम को संज्ञा कहते हैं।

जैसे => नमन, दिल्ली, पुस्तक, प्रेम आदि।

संज्ञा के निम्नलिखित तीन भेद होते हैं :-

१. व्यक्तिवाचक संज्ञा => वे शब्द, जो किसी विशेष प्राणी, वस्तु अथवा स्थान का बोध कराते हैं, उन्हें व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे =>

-> 'गोवा' सैलानियों का स्वर्ग है।

-> 'रानी लक्ष्मीबाई' एक वीरांगना थीं।

२. -> 'गीता' हिंदुओं की पवित्र पुस्तक है।

२. जातिवाचक संज्ञा => वे संज्ञा शब्द, जो किसी विशेष प्राणी, वस्तु अथवा स्थान का बोध न करवाकर अपने से जुड़ी पूरी जाति का बोध कराते हैं, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे =>

-> 'पक्षी' उड़ रहे हैं।

-> 'कुत्ते' भौंक रहे हैं।

-> 'चीते' दौड़ रहे हैं।

Date ....../....../......

Page............

३. भाववाचक संज्ञा ⇒ वे संज्ञा शब्द, जो किसी भाव, गुण अवस्था आदि का बोध कराते हैं, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं जैसे :

→ कोयल 'मीठा' बोलती है।

→ हमें 'बचपन' की बहुत याद आती है।

→ वह दृश्य बहुत 'सुंदर' है।

* निम्नलिखित संज्ञा शब्दों के प्रकार बताइए :-

[बचपन, पक्षी, गीता, गोवा, लिखावट, कथा, मिठास, कुत्ता, दिल्ली, महाभारत, जवानी]

१. व्यक्तिवाचक संज्ञा :- गीता, गोवा, ~~कुत्ता~~, दिल्ली, महाभारत

२. जातिवाचक संज्ञा :- कथा, पक्षी, कुत्ता

३. भाववाचक संज्ञा :- बचपन, मिठास, लिखावट, जवानी

Date / /
Page

* निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए :-

१.	गुरु	गुरुता
२.	देव	देवत्व
३.	नारी	नारीत्व
४.	कवि	कवित्व
५.	शिशु	शैशव
६.	सज्जन	सज्जनता
७.	मानव	मानवता
८.	कुमारी	कौमार्य
९.	दयालु	दयालुता
१०.	पशु	पशुता
११.	सर्व	सर्वस्व
१२.	पराया	परायापन
१३.	अहं	अहंकार
१४.	गिरना	गिरावट